सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 292 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 30 नवम्बर, 2024

पंखुड़ियां तोड़ कर आप फूल की खूबसूरती नहीं इकट्ठा कर सकते।
–रविन्द्रनाथ टैगोर

टी-20 मैच में दिल्ली के 11 खिलाड़ियों ने... 7 | सुप्रीम निशाने पर सरकार, काम... 3 | चुनावी प्रक्रिया पर उठाया सवाल... 2

अमित शाह से नहीं बनती, भ्रष्टाचार की नयी-नयी कहानी फिर भी क्यों नहीं हटीं यूपी की राज्यपाल!

» अंगद के पांव की तरह डटी हैं गवर्नर आनंदीबेन पटेल
» राजभवन की फिजा है निराली, यहां पर सब चंगा है
» आर्टिकल 157 की मदद से कर रहीं हैं राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की गवर्नर आंदनीबेन पटेल के कार्यकाल को खत्म हुए लगभग चार माह हो चुके हैं। लेकिन वह आर्टिकल 157 के हवाले से गवर्नर पद पर कायम हैं। न तो उनको हटाया जा रहा है और न ही उनके कार्यकाल को अभी तक बढ़ाया गया है।

यूपी के इतिहास में अभी तक किसी भी गवर्नर के कार्यकाल को रिपीट नहीं किया गया है। सवाल यही है कि क्या आनंदीबेन इस रिकार्ड को तोड़ देंगी और फिर से पांच वर्ष के लिए उनके कार्यकाल को बढ़ा दिया जाएगा या फिर वह अनुच्छेद 157 के सहारे यू ही डंटी रहेगी। सूत्रों की माने तो अनुच्छेद 157 वाली बात सही है क्योंकि संकेत ऐसे ही मिल रहे हैं।

अन्नदाताओं के मुद्दों पर भी ओढ़ी खमोशी

उत्तर प्रदेश में किसानों और सामाजिक समस्याओं को लेकर चल रहे आंदोलनों के दौरान राज्यपाल की निष्क्रियता भी चर्चा का विषय रही। ऐसे समय में जब राज्यपाल की भूमिका संवेदनशील मामलों में मध्यस्थता करने की होती है, आनंदीबेन ने चुप्पी साधे रखी। यह चुप्पी उनके संवैधानिक दायित्वों पर सवाल खड़े करती है।

कार्यकाल खत्म हुए चार माह का समय गुजर जाने के बाद भी उत्तराधिकारी की चर्चा तक नहीं

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

विवादों से भरा है कार्यकाल

आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल के रूप में 29 जुलाई 2019 को पदभार संभाला था। यूपी के गवर्नर के रूप में जैस-जैसे उनका सफर आगे बढ़ा वैसे ही विवादों का स्वरूप बड़ा होने लगा। उन पर विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्तियों में सीधा हस्तक्षेप करने का बड़ा अरोप लगा। उनके द्वारा नियुक्त कुलपति जेल तक गये और सीबीआई से जांच तक हुई। आनंदीबेन पटेल पर यह भी आरोप लगे कि उन्होंने सवैधानिक पद पर रहते हुए राजनीतिक पक्षपात किया। उन्होंने कुछ विधेयकों को बिना व्यापक चर्चा के मंजूरी दे दी और विपक्ष द्वारा उठाए गए मुद्दों की अनदेखी की जिसको लेकर उनकी सर्वाजनिक आलोचना हुयी। उन पर विपक्षी दलों को हाशिए पर डालने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने के भी आरोप लगे।

परिजनों का भी रहा है विवादों से नाता

गवर्नर ही नहीं उनके परिजनों पर भी कई आरोप लगें हैं। सूत्रों के अनुसार उनकी पुत्री अनारा जयेश पटेल को लेकर कई विवाद भी हैं। उनके गुजरात के सीएम रहते उनकी पुत्री को राज्य के कई जिलों में सस्ती जमीनें दी गई थी जो बाजार मूल्य से काफी कम थीं। उधर यूपी में भी कई योजनाओं में उनकी बेटी की हिस्सेदारी की बातें सामने आती रहती हैं। हालांकि समय-समय पर यूपी में होने वाले कई सांस्कृतिक व सामाजिक समारोह में अनारा से जुड़ीं योजनाएं गाहे-बगाहे दिखती रहतीं हैं।

वाइस चांसलर की नियुक्तियों में की मनमानी

गवर्नर आनंदीबेन पटेल पर ऐसे लोगों को वाइस चांसलर नियुक्त करने के आरोप लगे हैं जो कि विवादास्पद रहे हैं। उन्होंने जब चाहा, जहां चाहा, जिसको चाहा, की तर्ज पर कुलपति नियुक्त किये और खुद ही कुलपति की जांच के आदेश देकर उसको हटा दिया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के कुलपति प्रोफेसर पीके मिश्रा का उदहारण लिया जा सकता है। पहले उन्हें कुलपति बनाया फिर हटा दिया और गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जेपी पांडेय को एकेटीयू का नया कुलपति नियुक्त कर दिया। गौरतलब है कि राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होने के नाते शिक्षा व्यवस्था को स्वायत्त और निष्पक्ष बनाए रखने की भूमिका में होते हैं। जबकि मौजूदा गवर्नर पर आरोप लगे हैं कि कुलपतियों की नियुक्ति में पारदर्शिता और योग्यता को नजरअंदाज किया गया। जिससे अकादमिक माहौल पर गलत असर पड़ा। राजनीतिक विशलेषक इसे सरकार का उच्च शिक्षा पर राजनीतिक नियंत्रण का प्रयास बता रहे हैं।

ड्रोन से निगरानी के लगे थे आरोप

उत्तर प्रदेश सरकार और राजभवन में गाहे बगाहे दूरियों का अहसास होता रहता है। या यूं कहं कि जो रिश्ते सरकार और राजभवन के बीच होने चाहिए वैसे दिखते नहीं हैं। लगभग 2 वर्ष पूर्व राजभवन के उपर मंडराते ड्रोन को लेकर हड़कंप मच गया था और सियासी गलियारों में इस ड्रोन के कई मकसद निकाले जाने लगे थे। सपा ने आरोप लगाया था कि क्या सरकार राजभवन की ड्रोन से निगरानी कर रही है। ड्रोन मामले की जांच हुई तो पता चला कि यह ड्रोन लोक निमार्ण विभाग ने उड़ाया था। बड़ा सवाल यही है कि ड्रोन हैंडलिंग के लिए यूपी में बाकायदा नियम और कानून है। यहां तक कि यदि किस शादी ब्याह या किसी फंक्शन आदि में ड्रोन शूट करना हो तो है तो बाकायदा उसकी परमीशन लेने का प्रवाधान है। ऐसे में राजभवन के उपर उड़ते ड्रोन ने सवालिया निशान जाहिर? किये थे।

चुनावी प्रक्रिया पर उठाया सवाल देशव्यापी आंदोलन करेगी कांग्रेस

वर्किंग कमेटी की बैठक, संगठन में हो सकते हैं बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव में लगे झटकों के बाद बुलाई गई कांग्रेस वर्किंग कमिटी में संगठन को लेकर मंथन हुआ साथ ही चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल खड़े किए गए।

पार्टी ने ईवीएम समेत पूरी चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों पर देशव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया। इसके अलावा संगठन में सुधार के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही गई। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से जवाबदेही के मद्देनजर चाबुक चलाने तक को कह दिया।

हौसला न खोएं कार्यकर्ता : राहुल

कांग्रेस पार्टी की बैठक में राहुल गांधी ने नेताओं से हौसला ना खोने की अपील की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि केवल ईवीएम सवालों के घेरे में नहीं है, पूरी चुनावी व्यवस्था शक के दायरे में है और चुनाव आयोग निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रहा है।

गुटबाजी और अनुशासन से बचें : खरगे

सीडब्लूसी की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुटबाजी और अनुशासन को लेकर नसीहत दी। मल्लिकार्जुन खरगे ने कठोर फैसले लेने और संगठन में बदलाव की बातें की। बैठक में एक दिलचस्प वाक्या तब हुआ जब चुनावी जवाबदेही और संगठन के फैसलों में होने वाली देरी का जिक्र करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि व्यवस्था ठीक करने के लिए मुझे चाबुक चलाना पड़ेगा। समर्थन के अंदाज में राहुल गांधी तुरंत बोले, खरगे जी चाबुक चलाइए।

चुनाव आयोग को घेरा

सीडब्लूसी के प्रस्ताव में कांग्रेस ने चुनाव आयोग को तो घेरा लेकिन ईवीएम बनाम बैलेट को लेकर साफ राय जाहिर नहीं की। जबकि कुछ दिनों पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा था कि हमें बैलेट से चुनाव चाहिए। बैठक में प्रियंका गांधी ने भी कहा कि ईवीएम या बैलेट को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट होना चाहिए। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, पार्टी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

मैं जिंदा हूं, लोगों के बीच हूं: विनेश फोगाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जुलाना। हरियाणा के जिला जींद के विधानसभा क्षेत्र जुलाना से कांग्रेस की विधायक और ओलंपियन विनेश फोगाट एक बार फिर चर्चा में है। बीते सप्ताह कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट के गुमशुदगी के पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। विपक्ष के लोग पोस्टर पर जमकर चुटकियां भी ले रहे हैं।

» कांग्रेस विधायक ने तोड़ी चुपी

पोस्टर में लिखा था कि लापता विधायक की तलाश। अब इस मामले में विनेश फोगाट ने चुपी तोड़ी है। विनेश ने जवाब देते हुए मैं जुलाना में ही हूं, जिंदा हूं और कहीं गुमशुदा नहीं हूं। मैं अपनों के बीच रही हूं और अपनों के बीच ही रहूंगी। विनेश फोगाट ने जींद स्थित अपने कार्यालय पर लोगों की समस्याएं सुनी। लोगों को संबोधित करते हुए विनेश फोगाट ने कहा कि जुलाना को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने दिया जाएगा। जुलाना से पेयजल किल्लत और गलियों का निर्माण करवाया जाएगा।

पोस्टर वायरल करना छोटी मानसिकता

गुमशुदा विधायक के पोस्टर वायरल करने के मामले में उन्होंने कहा कि यह लोगों की छोटी मानसिकता है। वो गुमशुदा नहीं है और जिंदा है। विधायक बने अभी एक महीना ही तो हुआ है। ऐसे में वो लगातार लोगों के बीच जा रही हैं। जुलाना की समस्याओं को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा और जो भी संभव समाधान होगा करवाया जाएगा। विकास के मामले में जुलाना हलके को पीछे नही रहने दिया जाएगा।

भाजपा के राज में उनका ही अध्यक्ष सुरक्षित नहीं : जूली

» मदन राठौड़ धमकी प्रकरण पर नेता प्रतिपक्ष ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा राज में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। ऐसे में आम आदमी की सुरक्षा पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो गया है।

जूली ने कहा कि बड़े दुर्भाग्य कि बात है कि सत्तारूढ़ पार्टी अध्यक्ष को अपनी सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग करनी पड़ रही है, जबकि यह राजस्थान सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है, लेकिन मुख्यमंत्री जी को तो राजस्थान का उदय करने की चिंता है, प्रदेश की कानून व्यवस्था की कोई परवाह नहीं है। अब तो इनके पार्टी प्रमुख तक सुरक्षित नहीं है। जूली ने कहा कि भाजपा राज में अपराधियों के भीतर डर खत्म हो चला है।

फोटो : 4पीएम

निरीक्षण उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने चारबाग रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के कई अफसर मौजूद रहे।

'नीतीश की महिला सम्मान यात्रा सराहनीय'

पूर्व सीएम राबड़ी देवी बोलीं- स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री दें ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिला सम्मान यात्रा के लिए बिहार का दौरा करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने उनके इस यात्रा का समर्थन किया है। इस संबंध में नेता विरोधी दल राबड़ी देवी ने कहा कि निश्चित तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यात्रा करने का हक है। उनको यात्रा करना ही चाहिए। लेकिन साथ ही स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह गलत है और इस मामले में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विचार करना चाहिए।

राबड़ी देवी विधानपरिषद से निकलने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि विकास कार्यों की समीक्षा करनी ही चाहिए। और अगर इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यात्रा पर निकल रहे हैं तो कोई गलत बात नहीं है, उनको जाना ही चाहिए। राबड़ी देवी ने कहा कि हमें भी यात्रा करने का हक है। हम भी जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि महिलाओं को सम्मान मिलना चाहिए।स्मार्ट मीटर को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि स्मार्ट मीटर को हटाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर में बिल बहुत ज्यादा आ रहा है। आम लोग परेशान हैं, इसलिए स्मार्ट मीटर को हटाने की मांग कर रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि अगर सरकार स्मार्ट मीटर नहीं हटा सकती तो कम से कम इसकी जांच कराये कि आखिर बिल इतना अधिक क्यों आ रहा है।

भूलिएगा मत, 2005 से पहले क्या होता था : नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा सत्र दौरान विपक्ष के खिलाफ कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी थी। लेकिन, सत्र खत्म होते ही शनिवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने विपक्ष के काम की याद दिलाई। लालू-राबड़ी राज को याद किया। गांधी मैदान में कृषि यात्रिकी मेला का उद्घाटन करने पहुंचे सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोग बिहार के विकास के लिए कितना काम कर रहे हैं, यह सब जनता देख रही है। आज हर क्षेत्र में काम हो रहा है। कृषि के क्षेत्र में भी काफी काम हुआ। पहले कोई काम नहीं होता था। सीएम नीतीश कुमार ने पत्रकारों से पूछा कि याद है न 2005 से पहले क्या होता था? कितना काम हुआ था। यह सब बात भूलिएगा मत। 2005 के नवंबर में हम सरकार में आए थे। उससे पहले कुछ काम होता था क्या। हमलोगों ने कृषि रोड मैप शुरू कराया। एक-एक काम अच्छा से हुआ है। सीएम नीतीश ने आगे कहा कि आपलोगों की उम्र कम है, इसलिए कई लोगों को पहले पता है कि पहले क्या-क्या होता था? आज बिहार में बहुत अच्छे से काम हो रहा है। कभी कोई इतना कर पाया है।

पीएम बिरयानी खाने जा सकते हैं पाक, टीम क्यों नहीं : तेजस्वी

» राजद नेता बोले - खेलों में राजनीति को शामिल करना अच्छी बात नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि भारतीय टीम को अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करनी चाहिए और अपने रुख का समर्थन करते हुए दावा किया कि खेलों में राजनीति को शामिल करना अच्छी बात नहीं है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की पाकिस्तान यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, टूर्नामेंट शुरू होने में बस कुछ ही महीने बाकी हैं। तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण, भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है, जब उन्होंने एशिया कप में भाग लिया था। तेजस्वी ने पत्रकारों से कहा कि खेल में राजनीति को शामिल करना अच्छी बात नहीं है। क्या हर कोई ओलंपिक में भाग नहीं लेता? भारत को वहां (पाकिस्तान) क्यों नहीं जाना चाहिए? आपत्ति क्या है? अगर प्रधानमंत्री वहां बिरयानी खाने जा सकते हैं - तो अच्छा है, अगर भारत की टीम यात्रा करती है।

सुप्रीम निशाने पर सरकार, काम पर फटकार

बीजेपी शासित राज्यों के कुछ फैसलों पर कोर्ट नाराज

- यूपी की योगी सरकार की बुलडोजर कार्रवाई सबसे ज्यादा निशाने पर
- राज्यों की नौकरशाही के काम-काज पर उठते हैं सवाल
- कुछ ब्यूरोक्रेट्स में अब भी औपनिवेशिक मानसिकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले दस बारह सालों में कार्यपालिका, विधायिका के काम करने के तरीके पर देश की सबसे बड़ी अदालत कई बार सवाल तो उठाया ही। फटकार भी लगाई है। सुप्रीम कोर्ट की डांट केवल राज्यों को ही नहीं केंद्र सरकार को भी मिली और कई बार नसीहत भी दी गई। शीर्ष अदालत की सबसे ज्यादा लताड़ बीजेपी शासित राज्यों को पड़ी है। अभी हाल में यूपी की योगी सरकार को बुलडोजर कारवाई पर कड़ी डांट पड़ चुकी है। अब यूपी सरकार की नौकरशाही को सुप्रीम कोर्ट ने जमकर कोसा है।

कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य के अधिकारी मनमानी कर रहे हैं और अपने को अदालतों से ऊपर समझने लगे हैं। ऐसा नही हैं कि यूपी सरकार को ही फटकारा गया है इस कड़ी में छत्तीसगढ़ भी जुड़ गया। वहीं ईडी की कार्रवाई पर केंद्र की एनडीए सरकार को भी सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कटघरे में खड़ा किया है। बीजेपी ही नहीं अन्य दलों की सरकारों के काम पर भी सुप्रीमकोर्ट की नजर रहती है और समय-समय पर वह उनकी आलोचना व सराहना करते रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों की औपनिवेशिक मानसिकता पर चिंता जताई। पंचायत मामलों में महिला सरपंचों पर प्रतिशोध लेने की घटनाओं का उल्लेख किया और महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ की महिला सरपंच सोनम लाकड़ा को गलत तरीके से हटाने के मामले में अदालत ने उन्हें बहाल करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने गांवों में सरपंचों और अधिकारियों के बीच के काम से जुड़े मामलों पर अहम टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने ब्यूरोक्रेट्स के बीच औपनिवेशिक मानसिकता को चिह्नित किया। अदालत का कहना था कि अधिकारी आदतन जमीनी स्तर के लोकतांत्रिक संस्थानों में निर्वाचित प्रतिनिधियों, विशेषकर महिलाओं पर हुक्म चलाने का प्रयास करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारियों को इसके बजाय शासन में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने चिंता के साथ कहा कि यह पंचायतों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के साथ किए जाने वाले व्यवहार का एक बार-बार दोहराया जाने वाला पैटर्न है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी महिला सरपंचों के खिलाफ प्रतिशोध लेने के लिए पंचायत सदस्यों के साथ मिलीभगत करते हैं।बेंच ने छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की एक ग्राम पंचायत में महिला सरपंच सोनम लाकड़ा को बहाल करने का आदेश दिया। महिला सरपंच के खिलाफ भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान मामूली आधार पर कार्रवाई शुरू की गई थी। वहीं, विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने उनका बचाव किया था।

नौकरशाही की मनमानी के कारण हटाये जाते कुछ कर्मी

सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि उनके स्पष्टीकरण के बावजूद नौकरशाही की मनमानी के कारण उन्हें 18 जनवरी, 2024 को पद से हटा दिया गया। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस कांत और भुइयां ने उनके खिलाफ आरोपों को बेबुनियाद और उनके पद से हटाए जाने को जल्दबाजी वाला कदम बताया। पीठ ने कहा कि अपनी औपनिवेशिक मानसिकता के साथ प्रशासनिक अधिकारी एक बार फिर निर्वाचित जनप्रतिनिधि और चयनित लोक सेवक के बीच मूलभूत अंतर को पहचानने में विफल रहे हैं।

कई कामों की तारीफ भी की

शीर्ष अदालत की बेंच ने 27 वर्षीय लकड़ा द्वारा किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। बेंच ने कहा कि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ऐसी परियोजनाओं के लिए आवश्यक समय के बारे में तकनीकी विशेषज्ञता की कमी के बावजूद 16 दिसंबर, 2022 को एक कार्य आदेश जारी किया। इसमें तीन महीने के भीतर विकास कार्य पूरा करने का आदेश दिया गया।यह आदेश लकड़ा को 21 मार्च, 2023 को दिया गया, विडंबना यह है कि तीन महीने की अवधि का आखिरी दिन था। काम के निष्पादन में देरी के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया।

6 महीने बीते नही आए वोटिंग के एक्चुअल आंकड़े

मोदी को शपथ लिए 6 महीने बीत गए, दो राज्यों के चुनाव व उपचुनाव भी खत्म हो पर आयोग ने वोटिंग के एक्चुअल आंकड़े रिलीज नहीं किए। माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग पर पहले ही सवाल उठा रही कांग्रेस को आरटीआई में मिले जवाब से नया हथियार मिल गया है, वहीं आयोग के जवाब पर बीजेपी ने कांग्रेस को आड़ों हाथ लेते हुए कहा कि देश की उच्च संस्थाओं पर सवाल उठाकर कांग्रेस अपनी विश्वसनीयता खत्म कर चुकी है। 4 जून को आए 18 वीं लोकसभा चुनाव के परिणामों में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला, प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ भी ले ली है. प्रधानमंत्री मोदी को शपथ लिए 6 महीने गुजर भी चुके हैं, लेकिन दिलचस्प ये है कि चुनाव आयोग को अभी तक फुरसत नहीं मिल पाई है कि वह 18वीं लोकसभा चुनाव परिणामों का वास्तविक आकंड़ा जारी सके।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी पर उठाए सवाल, कांग्रेस राज में 1 भी नहीं और बीजेपी शासन में 40 केस में ही दोषी

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक बार फिर जमकर खरी-खोटी सुनाई है। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्जवल भुइयां ने ईडी की दोषसिद्धि दर कम होने पर चिंता जताते हुए कहा कि अगर आरोपी को दोषी नहीं ठहराया जाता है तो क्या होगा? मुकदमे के लिए किसी को कब तक इंतजार करना पड़ सकता है?पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत अर्जी पर यह सुनवाई करते हुए जस्टिस उज्जवल भुइयां और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने ईडी की गिरफ्तारियों पर सवाल उठाया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 2 साल से जेल में बंद चटर्जी की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अरसे तक बिना मुकदमा चलाए हिरासत में रखने पर यह अहम टिप्पणियां कीं। जानते हैं कि प्रवर्तन निदेशालय के 2005 में अमल में आने के बाद से 2024 तक कन्विक्शन रेट यानी दोषसिद्धि दर कितनी रही है और एजेंसी कोर्ट में सुनवाई के दौरान कहां चूक जाती है। इसी साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में कम सजा दर का हवाला देते हुए ईडी से गुणवत्तापूर्ण अभियोजन और सबूतों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था। मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी छत्तीसगढ़ के एक व्यवसायी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि सजा की दर बढ़ाने के लिए ईडी को वैज्ञानिक जांच करनी चाहिए। इससे पहले केंद्र सरकार ने इसी साल 6 अगस्त को लोकसभा में यह जानकारी दी थी कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 2014 से 2024 तक कुल 5,297 मामले दर्ज किए गए, जबकि केवल 40 मामलों में सजा हुई और 3 बरी हो गए। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी थी। दिल्ली में एडवोकेट और लीगल एक्सपर्ट शिवाजी शुक्ला के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में ईडी को लेकर एक बड़ी टिप्पणी की थी। उसने ईडी को कहा था कि आपको अभियोजन और साक्ष्य की गुणवत्ता पर ज्यादा फोकस करने की जरूरत है। ऐसे जो भी मामले जहां आपको यह लगता है कि प्रथम दृष्टया मामला बनता है, उनमें आपको अदालत में इसे स्थापित करने की जरूरत है।

जारी है लोकसभा चुनाव 2024 के सांख्यिकीय आंकड़ों की जांच व सत्यापन कार्य

मतगणना के बाद 6 महीने पूरे हो चुके हैं, लेकिन आज भी लोकसभा आम चुनाव, 2024 के सांख्यिकीय आंकड़ों की जांच और सत्यापन का कार्य प्रक्रिया में है और कार्य पूरा होने के बाद ही सही और अंतिम सांख्यिकीय आंकड़े आयोग की वेबसाइट पर उपलोड किए जाएंगे, जिसे कोई भी अपनी सुविधानुसार ढूंढ सकता है और विश्लेषण कर सकता है। उल्लेखनीय है निर्वाचन आयोग के जवाब पर सवाल खड़े होना लाजिमी है. केंद्रीय निर्वाचन आयोग में आंकडे नहीं हैं, तो,फिर सांख्यिकी आँकड़ों की जांच किस तरह कर रहे हैं ? आयोग के पास डाटा उपलब्ध नहीं था, सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो अपलोड आंकड़ों का आधार क्या है? सवाल यह भी है कि फिर लोकसभा के परिणाम कैसे जारी हो हुए?

आरटीआई के जवाब में खुलासा

चुनाव आयोग ने एक आरटीआई के जवाब में खुलासा किया है कि अभी तक 18वीं लोकसभा चुनाव के सात चरणों में हुए मतदान का आरंभिक और अंतिम आकंड़ा जारी नहीं किया हैं. जबकि प्रधानमंत्री मोदी को शपथ लिए छह महीने पूरे हो चुके हैं। चुनाव आयोग का यह जवाब हास्यास्पद लग सकता है लेकिन सच यही है। गौरतलब है लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा चुनाव सुर्खियों में राजनीतिक पार्टी के साथ चुनाव आयोग भी सुर्खियों में रहता है।

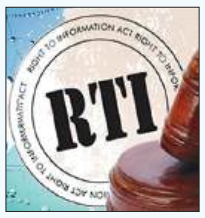

आरटीआई के सवाल पर चुनाव आयोग की ओर से दिया गया जवाब उसकी कार्यशैली पर सवाल खड़ा जरूर करता है। आरटीआई एक्टिविस्ट नितिन सिंह ने बताया कि 18वीं लोकसभा चुनाव में सात चरणों के मतदान के चरणवार आरंभिक और अंतिम विवरण आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है. लोकसभा चुनाव 2024 के चरणवार आरंभिक और अंतिम आंकड़ों की जानकारी के लिए उन्होंने आयोग को आरटीआई किया था, लेकिन जवाब से हैरान रह गए।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बाल विवाह पर पूरी तरह लगे रोक!

सरकार का दावा है कि भारत पूरी दुनिया में आगे बढ़ रहा हैं। खासतौर से वर्तमान सरकार व पीएम मोदी हर मंच से कहते हैं भारत में महिला सशक्तीकरण व बालिकाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। परंतु इतने बड़े दावे के बाद आज भी बाल विवाह बहुत से राज्यों में एक समस्या है। सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नए अभियान के अन्तर्गत इस परम्परागत विसंगति एवं विडम्बना को दूर करने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जायेंगे।

बाल विवाह मुक्त अभियान देश भर में युवा लड़कियों के सशक्तिकरण के सरकार के प्रयासों का प्रमाण है। यह प्रगतिशील और समतापूर्ण समाज सुनिश्चित कर हर बच्चे की क्षमता को पूर्णता से साकार करेगा। इस अभियान का संदेश 25 करोड़ नागरिकों तक पहुंचने की उम्मीद है। यह निर्विवाद है कि देश को विकसित बनाने के लिए महिलाओं की पूरी शक्ति का उपयोग जरूरी है और महिला शक्ति बढ़ाने के लिए बाल विवाह को रोकना ही होगा। आज सामाजिक सोच एवं ढांचे में परिवर्तन लाने की शुरुआत हो गयी है, इसमें सृजनशील सामाजिक संस्थाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण होगा। आवश्यकता है वे अपने सम्पूर्ण दायित्व के साथ आगे आये। अंधेरे को कोसने से बेहतर है, हम एक मोमबत्ती जलाएं। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं? हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है?'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का।

“ देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बांग्लादेश से बिगड़ते रिश्तों के यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

आपको चिटगांव जाना हो, तो सबसे शॉर्टकट रास्ता त्रिपुरा होकर है। गत 9 मार्च, 2021 को प्रधानमंत्री मोदी, और उनकी तत्कालीन समकक्ष शेख हसीना ने मैत्री सेतु का उद्घाटन किया था। दक्षिणी त्रिपुरा के सबरूम कस्बे से मैत्री सेतु के बरास्ते सीमा पार कीजिये, और रामपुर पहुंच जाइये, जो चिटगांव का उपजिला है। मैत्री सेतु अब भी चालू है, लेकिन सीमा आर-पार से 'मैत्री' गायब है। बुधवार को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में, सनातनी हिंदू सेना ने बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी को 'अस्वीकार्य' बताया, और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया, कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हिंदू अल्पसंख्यकों और इस्कॉन पर बार-बार होने वाले हमलों के लिए जिम्मेदार है। प्रदर्शनकारियों ने कहा, 'यह बर्बरता है। इस्कॉन ने बांग्लादेश में आपदा राहत में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, फिर भी उस पर हमला हो रहा है।'

बांग्लादेश में जो कुछ इस समय हो रहा है, चिटगांव उसका अधिकेंद्र है। इसे एपीसेंटर बनाने में चिन्मय कृष्ण का बड़ा हाथ है। अपने धुआंधार धार्मिक भाषणों के लिए जाने जाने वाले चिन्मय कृष्ण, चिटगांव के सतकानिया उपजिला से हैं। उनके तीन नाम हैं, 'चंदन कुमार धर प्रकाश', 'चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी', और तीसरा नाम है, 'शिशु बोक्ता'। उन्होंने कम उम्र से ही धार्मिक उपदेशक के रूप में अपनी लोकप्रियता के कारण 'शिशु बोक्ता' उपनाम अर्जित किया था। 2016 से 2022 तक, उन्होंने इस्कॉन के चिटगांव मंडल सचिव के रूप में कार्य किया। फिर, 2007 में चिन्मय कृष्ण, चिटगांव के हथजारी में पुंडरीक धाम के प्रधान बनाये गये। आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्कॉन बांग्लादेश ने स्पष्ट किया, कि चिन्मय कृष्ण दास (जिनकी गिरफ्तारी के कारण हाल ही में अशांति फैली), लीलराज गौर दास, और स्वतंत्र गौरांग दास सहित कुछ व्यक्तियों को पहले ही नियमों का उल्लंघन करने के कारण संगठन से हटा दिया गया था। इस्कॉन के महासचिव चारुचंद्र दास ने स्पष्ट किया कि उनकी कार्यशैली व्यक्तिगत थीं, और उनका इस्कॉन से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस्कॉन बांग्लादेश कभी भी सांप्रदायिक या संघर्ष-प्रेरित गतिविधियों में शामिल नहीं रहा है। इस्कॉन, एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना जारी रखेगा।' देशव्यापी अशांति के बीच अगस्त, 2024 में 'सनातन जागरण मंच' का उदय हुआ। चिन्मय दास को इसका प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। इस्कॉन का प्रतिनिधित्व करने की बजाय, चिन्मय कृष्ण बांग्लादेश के व्यापक हिंदू समुदाय का प्रतिनिधित्व करने लगे। प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर चली गईं, तो बड़े पैमाने पर विद्रोह के दौरान कई हिंदू घरों और मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। इसके जवाब में, यह मंच शुरू किया गया। हाल ही में सनातन जागरण मंच ने चिटगांव और रंगपुर में बड़ी रैलियां आयोजित कीं, जहां चिन्मय ने हिंदू समुदाय के अधिकारों की वकालत करते हुए जोशीले भाषण दिये थे। लेकिन क्या, 'सनातन जागरण मंच' के गठन, और उसे मिलने वाले फंड के पीछे रॉ की कोई भूमिका है? ढाका के पावर कॉरिडोर से इस बात का इशारा बराबर हो रहा है, मगर 'ऑन द रिकार्ड' अबतक किसी अधिकारी ने बयान नहीं दिया है। 25 अक्टूबर, 2024 को चिटगांव के न्यू मार्केट चौराहे पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर भगवा झंडा फहराने के आरोप में चिन्मय और 18 अन्य के खिलाफ देशद्रोह का मामला, 30 अक्टूबर को दर्ज किया गया था। इसी केस के सिलसिले में चिन्मय कृष्ण को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने 25 नवम्बर, सोमवार को शाम 4:30 बजे हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया। मंगलवार को उन्हें चिटगांव की एक अदालत में पेश किया गया। अदालत ने चिन्मय कृष्ण को जेल भेजने का आदेश जैसे दिया, उनके अनुयायियों ने हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिये। कोर्ट परिसर में ही बेकाबू भीड़ ने एक युवा वकील सैफुल इस्लाम आलिफ को पीट-पीट कर मार डाला था। हिंसक भीड़ को काबू करने के वास्ते पुलिस फायरिंग भी हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने कोर्ट परिसर में वकीलों के चेंबर, और एक मस्जिद में भी तोड़फोड़ की थी। उत्पात में कुल 26 लोग घायल हो गए। उधर, शेख हसीना की पार्टी के छह लोग गिरफ्तार किये गए हैं। वकील अपने साथी की मौत के सवाल पर सड़क पर हैं। अंतरिम सरकार इसमें बुरी फंसी है। यह दिलचस्प है, कि चिन्मय कृष्ण के विरुद्ध देशद्रोह का मामला दर्ज करवाने वाले मोहम्मद फिरोज खान को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। कोर्ट में हुई हिंसक घटना के बाद, मोहम्मद फिरोज खान को 'सुरक्षा के लिए पुलिस हिरासत' में रखा गया है।

समय रहते जांच और उपचार से जीवन रक्षा

ज्ञानेन्द्र रावत

फ्लोरोसिस एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पानी में फ्लोराइड की अधिकता है, जिसके चलते हड्डियां, दांत, किडनी और अन्य शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इस रोग से प्रभावित लोग, विशेष रूप से गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में हैं, जहां पानी की खपत अधिक होती है। भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है, जहां लोग हैंडपंप या कुओं का पानी उपयोग करते हैं। फ्लोरोसिस के कारण लोगों की हड्डियां कमजोर हो रही हैं, जिससे रीढ़ और शरीर के अन्य हिस्सों की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी हो गई हैं। बच्चों के दांतों में पीलापन, छेद या टूटने की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, हड्डियों में सूजन, जोड़ों में दर्द, घुटनों में सूजन और झुकने या बैठने में कठिनाई जैसे लक्षण भी देखे जा रहे हैं।

इसके साथ ही पेट भारी रहना, कब्ज, प्यास न बुझना और किडनी के रोग भी बढ़ रहे हैं। अक्सर लोग हड्डियों के दर्द को गठिया समझ लेते हैं, लेकिन ये फ्लोरोसिस के लक्षण हो सकते हैं। फ्लोरोसिस मुख्य रूप से दांतों को प्रभावित करने वाली एक कास्मेटिक स्थिति है, जो जीवन के पहले आठ वर्षों में फ्लोराइड के अधिक सेवन के कारण होती है, जब दांत बन रहे होते हैं। भारत के कई राज्य भूजल में फ्लोराइड की अधिक मात्रा से प्रभावित हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु प्रमुख हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, पानी के अलावा गेहूं, चावल और आलू जैसे खाद्य पदार्थों से भी फ्लोरोसिस हो सकता है। दिल्ली के कुछ इलाकों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में भी फ्लोराइड की अधिक मात्रा से लोग प्रभावित हैं। फ्लोरोसिस के बारे में जागरूकता का अभाव इसके बढ़ने का मुख्य कारण है। जल प्रदूषण, भूमिगत जल के अत्यधिक उपयोग और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ने इस बीमारी को फैलने का मौका दिया है। शोध से पुष्टि हुई है कि फ्लोरोसिस किसी भी उम्र में हो सकता है, और यदि समय रहते इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर हो सकता है।

बच्चों में डेंटल फ्लोरोसिस अधिक होता है, जिसके कारण उनके दांत कमजोर, पीलापन, छेद, धब्बे और गैप की समस्या उत्पन्न होती है। फ्लोरोसिस शरीर में पोटेशियम की वृद्धि और कैल्शियम की कमी का कारण बनता है। विशेषज्ञों के अनुसार फ्लोरोसिस होने के बाद किसी भी व्यक्ति का सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो जाता है। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि फ्लोरोसिस होने ही नहीं दिया जाए। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह केवल दूषित पानी से ही नहीं होता, पानी के अलावा भी बहुत सारी चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। बीते दिनों नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में क्लिनिकल ईकोटैक्सियोलॉजी फेसिलिटी की ओर से तीन दिवसीय 36वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी फॉर फ्लोरोसिस रिसर्च का आयोजन हुआ।

इसमें भारत के अलावा जापान, थाईलैंड, चीन, ईरान और अन्य देशों के वैज्ञानिक शामिल हुए, जिन्होंने भूजल स्तर नीचे खिसकने समेत बहुतेरे कारणों की वजह से पानी में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने के चलते फ्लोरोसिस की व्यापकता और बीमारी से निपटने के उपायों पर गहनता से विचार-विमर्श किया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और राजधानी क्षेत्र में भी फ्लोराइड की निर्धारित मात्रा मानक से कहीं बहुत ज्यादा है। यहां रहने वाले फ्लोराइड जनित बीमारियों से परेशान हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पानी में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से न तो रंग में कोई बदलाव आता है और न ही स्वाद में कोई अंतर ही आता है। ऐसी स्थिति में इसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। उनके अनुसार ज्यादातर जलस्रोतों में प्राकृतिक रूप से भी फ्लोराइड पाया जाता है। यह भूजल में चट्टानों के कटाव से भी आता है। यही नहीं, आग या विस्फोट से पानी अत्यधिक गंदा होने से भी पानी में फ्लोराइड बढ़ रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि बचाव ही फ्लोरोसिस का सबसे बेहतर इलाज है। पानी में ज्यादा मात्रा में फ्लोराइड है तो उसमें फिल्टर लगाया जाना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति में प्राथमिक स्तर पर बीमारी का पता चल जाता है तो एक्सरसाइज या दूसरे तरीकों से आसानी से उसका इलाज किया जा सकता है। डॉक्टरों के मुताबिक कैल्शियम, मैग्नीशियम और विटामिन-सी युक्त भोजन के अभाव में भी फ्लोरोसिस की आशंका बढ़ जाती है। इससे बचाव हेतु एंटीऑक्सीडेंट्स आदि की प्रचुरता वाला भोजन लें।

विशेषज्ञों का मानना है कि फिल्टर करके पानी उपयोग करें। बारिश का पानी जमा करके इस्तेमाल में लाएं । खून की जांच कराएं, जिससे फ्लोराइड की मौजूदगी का पता चल जाता है। यदि पानी में फ्लोराइड की मात्रा 0.05 एमजी/लीटर है, तो यह सेहत के लिए खतरनाक है। एक्सरे की मदद से स्केलेटल फ्लोरोसिस का पता लग जाता है। हमें खासकर हड्डियों का भी एक्सरे कराना चाहिए, जिससे बीमारी का पता लग जाता है। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि जागरूक रहना फ्लोरोसिस को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है।

शरीर को डिटॉक्स रखेगा संतरा

संतरा न केवल स्वादिष्ट और ताजगी देने वाला फल है, बल्कि यह शरीर को शुद्ध करने (डिटॉक्स) के लिए भी एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है। संतरे में ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर से हानिकारक विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। जाड़े में विशेष रूप से जब शरीर की रोग प्रतिकारक क्षमता कमजोर होती है और वातावरण में विभिन्न प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया होते हैं, संतरा शरीर को शुद्ध करने का एक उत्तम साधन बन जाता है। इसके अलावा, संतरा शरीर के पाचन तंत्र को भी दुरुस्त रखता है और अन्य कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। संतरा एक ऐसा फल है जिसमें आवश्यक पोषक तत्वों की भरमार होती है। संतरे में मुख्य रूप से विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स, फोलिक एसिड और साइट्रिक एसिड भरपूर मात्रा में होती है। इसलिए, संतरा और संतरे का जूस हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि हम इसका अधिकतम स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकें। संतरा शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन प्रोसेस को बेहतर बनाने में मदद करता है। लिवर एंजाइमों को सक्रिय करता है, जो शरीर के अंदर जमा विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए आवश्यक होते हैं।

डिटॉक्सिफिकेशन

डिटॉक्सिफिकेशन वह प्रक्रिया है जिसके दौरान शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और शरीर के अंगों को शुद्ध किया जाता है। संतरे में मौजूद कई तत्व शरीर को इस प्रक्रिया में मदद करते हैं। क्योंकि संतरे में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है, जो शरीर के लिए एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है। विटामिन सी शरीर के अंदर से फ्री रेडिकल्स को हटाने में मदद करता है। जिससे शरीर की कार्यक्षमता बढ़ती है और शरीर के अंग स्वस्थ रहते हैं।

किडनी स्टोन से राहत

संतरे का जूस किडनी स्टोन के कारण होने वाले दर्द में राहत दिलाने में मदद करता है। इसका साइट्रिक एसिड किडनी स्टोन के गठन को रोकने और पहले से मौजूद पथरी के आकार को घटाने में सहायक होता है। यह पथरी के दर्द को कम करने में भी मदद करता है। इसके परिणामस्वरूप किडनी की कार्यक्षमता बढ़ती है और शरीर से अपशिष्ट पदार्थों का निष्कासन अधिक प्रभावी होता है। इसके अलावा, संतरे के सेवन से शरीर से मूत्र में घुलने वाली हानिकारक चीज़ों को बाहर निकाला जाता है, जिससे किडनी को अतिरिक्त काम नहीं करना पड़ता और वह स्वस्थ रहती है।

फोलेट और डीएनए निर्माण

संतरे में फोलेट की अच्छी मात्रा होती है, जो डीएनए के निर्माण में मदद करता है और कोशिकाओं के स्वस्थ विकास को बढ़ावा देता है। संतरे का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है, क्योंकि फोलेट भ्रूण के विकास के लिए महत्वपूर्ण होता है और न्यूरल ट्यूब दोषों को रोकने में मदद करता है। संतरे का सेवन स्वस्थ कोशिकाओं के निर्माण में मदद करता है, जो शरीर की प्राकृतिक मरम्मत प्रक्रिया को प्रोत्साहित करता है।

पाचन को रखे दुरूस्त

संतरे का जूस पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। यह कब्ज, अपच, और गैस जैसी समस्याओं को दूर करता है। संतरे में पाया जाने वाला फाइबर पाचन क्रिया को सुधारता है और आंतों में अच्छे बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा देता है। यह आंतों की सफाई करने में बहुत बड़ा योगदान देता है। और पेट की समस्याओं को काफी हद तक कम कर देता है। इसलिए संतरेके जूस का नियमित सेवन करने से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है और शरीर को ऊर्जा मिलती है।

नई लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण

संतरे का जूस लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में मदद करता है, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करती हैं। आयरन की कमी के कारण खून की कमी (एनीमिया) हो सकती है, लेकिन संतरे का जूस इस समस्या को दूर करता है। संतरे के जूस में आयरन की मात्रा भी होती है, जो रक्त में हेमोग्लोबिन स्तर को बढ़ाता है और शरीर में रक्त की आपूर्ति को सुधारता है।

बैड कोलेस्ट्रॉल करे कम

संतरे का जूस शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइबर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं, जिससे दिल की बीमारियों का जोखिम कम होता है। संतरे का जूस रक्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है।

रक्त परिसंचरण में सुधार

संतरे का जूस रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाता है। इसमें मौजूद फ्लेवोनोइड्स और पोटैशियम रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं, जिससे रक्त का प्रवाह आसानी से होता है। इससे न केवल दिल का स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि यह रक्तदाब को नियंत्रित करने में भी सहायक होता है। संतरे के जूस से शरीर के विभिन्न अंगों में रक्त संचार सही रहता है, जो शरीर की समग्र कार्यक्षमता में सुधार करता है।

मनीष कुमार मौर्य

हंसना मना है

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो, साला दोस्त भी कुर्बान।

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर- गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो ट्रैफिक पुलिस- तुम्हे रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहां छुप कर बैठे थे।

कहानी — धूर्त बिल्ली का न्याय

जंगल में एक पेड़ के तने के खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को चिल्लाते देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज नया रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें।

वृषभ — फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी।

मिथुन — विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा।

कर्क — घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं।

सिंह — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या — चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे।

तुला — शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे।

वृश्चिक — चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी।

धनु — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी।

मकर — पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा।

कुम्भ — प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा।

मीन — पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा को लेकर उत्साहित हैं विद्या बालन

बॉलीवुड | मसाला

शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म देवा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीम द्वारा फिल्म की रिलीज डेट हाल ही में साझा की गई है, जिससे प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर और अधिक उत्साह बढ़ गया है। वहीं अब विद्या बालन ने अपने सोशल मीडिया पर इस थ्रिलर को बड़े पर्दे पर देखने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। पहले शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म देवा 14 फरवरी 2025 को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन, टीम ने फिल्म की बड़े पर्दे पर रिलीज की तारीख को बदलकर 31 जनवरी 2025 कर दिया है, जिससे दर्शकों का इंतजार कम हो गया है।

टीम द्वारा घोषणा किए जाने के तुरंत बाद, विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसे रीपोस्ट किया। उन्होंने आगे अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए लिखा, येय बहुत उत्साहित हूं @roykapurfilms। अरे देवा, 31-01-25 का इंतजार नहीं कर सकती। इस फिल्म का निर्माण विद्या के पति और फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने किया है।

फिल्म की नई तारीख के बारे में टीम द्वारा आधिकारिक रूप से घोषणा करते हुए कैप्शन में लिखा, बैठ जाइए, क्योंकि इंतजार अब कम हो गया है! देवा आपके सोचने से भी पहले आ रहा है- 31 जनवरी, 2025! प्रचार वास्तविक है, ऊर्जा उम्मीद से ऊपर है, और हम आपको उम्मीद से पहले इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर को लाने के लिए उत्साहित हैं! अपने कैलेंडर को चिह्नित करें और एक दिल-धड़कन वाले अनुभव के लिए तैयार हो जाएं जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे!

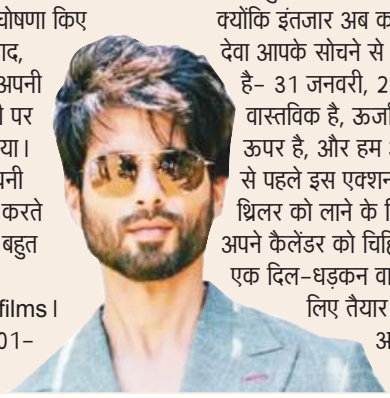

पुष्पा 2 के सेट पर मैंने घर जैसा महसूस किया : रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना ने गुरुवार को इफ्फी गोवा के 55वें संस्करण में पुष्पा 2 फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म का सीक्वल गुरुवार को रिलीज होने वाला है। फिल्म पुष्पा: द राइज काफी भावुक करने वाली कहानी रही है।

पुष्पा 2: द रूल में तेलुगू सुपरस्टार अल्लू अर्जुन नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का सेट रश्मिका के लिए घर की तरह ही था। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद वे थोड़ी परेशान हो गई थीं। फिल्म के दूसरे हिस्से की रिलीज को लेकर रश्मिका बहुत ही उत्साहित हैं।

फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 5 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया। फिल्म में रश्मिका मंदाना और फहाद फाजिल भी नजर आने वाली है। उन्होंने कहा, मैं पिछले सात-आठ सालों से इंडस्ट्री में हूं, जिनमें से पांच साल मैं पुष्पा के सेट पर रही हूं। मेरे लिए पुष्पा मेरा घर है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं दुनिया में कहीं भी जाती हूं, मैं पुष्पा के सेट पर वापस घर लौटती हूं। मेरे लिए, यह मेरे दिमाग में अवचेतन रूप से चलता रहता है कि मैं दुनिया में कहीं भी जाऊं, मैं वापस घर आऊंगी। यह थोड़ा दुखद है लेकिन साथ ही मैं एक अभिभूत स्थिति में हूं, जहां मुझे नहीं पता कि वास्तव में क्या महसूस करना है। मैं दुखी हूं लेकिन साथ ही मैं उत्साहित भी हूं। रश्मिका ने कहा, आप सोच रहे होंगे कि पुष्पा 2 पूरी तरह से एक्शन से भरपूर फिल्म होगी, लेकिन यह बेहद भावनात्मक है। इसमें एक पारिवारिक पहलू भी है, जो कि अधिकांश भाग में है। इसलिए जितना आप पुष्पा के स्वैग और एक्शन का इंतजार कर रहे हैं, उतना ही भावनात्मक ड्रामा का भी इंतजार कर रहे हैं। यह सब कुछ का मिश्रण होने जा रहा है।

बॉलीवुड | मन की बात

बायोपिक से तंग हो चुका हूं, अब करूंगा मसाला फिल्में : हुड्डा

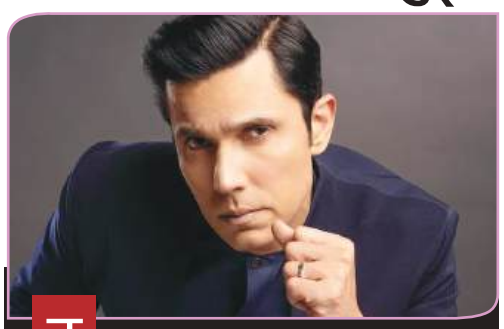

स्वातंत्र्यवीर सावरकर, सरबजीत जैसी फिल्मों से अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ चुके रणदीप हुड्डा, लगता है अब बायोपिक फिल्मों से तंग आ चुके हैं। उन्होंने इफ्फी 2024 में इस बारे में बात की, रणदीप ने कहा कि अब वो मसाला फिल्मों की ओर भी रुख करना चाहते हैं। रणदीप से जब पूछा गया कि क्या वो और बायोपिक करना चाहेंगे? तो रणदीप ने बताया कि शेर सिंह राणा पर काम अभी भी जारी है। वो शेर सिंह राणा जो अफगानिस्तान से पृथ्वीराज चौहान के अवशेष वापस लाए थे। हम इसे एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं बायोपिक से दूर रहने की कोशिश कर रहा हूं, क्योंकि वो बहुत थकाने वाले होते हैं। लेकिन लोग भूल जाते हैं कि मैंने सावरकर से पहले एक्शन और रोमांटिक फिल्में की हैं। मैंने सभी तरह की फिल्में की हैं। मैं मनोरंजक सिनेमा के जरिए दर्शकों की पसंद तक पहुंचना पसंद करूंगा। इसके लिए एक्शन एक बहुत अच्छा ऑप्शन लगता है। रणदीप ने ही स्वातंत्र्यवीर सावरकर फिल्म को डायरेक्ट भी किया था। इसके बाद से उन्हें डायरेक्शन के भी खूब ऑफर्स आए हैं। इस पर बात करते हुए रणदीप ने कहा- मेरे पास बहुत सारे ऑफर हैं, लेकिन मैं डायरेक्शन तभी करूंगा जब मैं उसमें एक्टिंग करूंगा क्योंकि मुझे मुझसे बेहतर एक्टर नहीं मिल सकता। मेरे पास दो तीन ऑफर्स हैं, लेकिन सब ज्यादातर एक्शन है। रणदीप ने बताया सावरकर की बायोपिक बनाना और उसे रिलीज करना कितना मुश्किल था। वो बोले- इसे बनाना और रिलीज करना बहुत चैलेंजिंग था। ज्यादातर फेस्टिवल्स में अनरिलीज हुई फिल्मों की ज़रूरत होती है, और हमारे पास अपनी फिल्म को कॉम्पिटीशन में शामिल करने के बहुत कम मौके थे, लेकिन अब हम कोशिश कर रहे हैं। हम ऑस्कर से थोड़े अंतर से चूक गए, लेकिन मुझे यकीन है कि इसे बहुत ऑडियन्स मिलेंगे। मैं जिन फेस्टिवल में शूटिंग कर रहा था, वहां से मुझे लगातार इनविटेशन मिलते रहे, और मैं उनमें शामिल नहीं हो पाया। रणदीप आगे बोले- मैं हमेशा से ऐसा ही था, और अब मैं मसाला फिल्में बनाने की राह पर हूं।

इस किसान का कुआं हुआ गायब ढूंढने निकला पूरा परिवार

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश अजब है, तो यहां पर गजब गजब की घटनाएं भी होती है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के घाघरला के एक किसान का 6 महीने से कुआं गायब हो गया है, जिससे किसान सरकारी कार्यों के चक्कर लगा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं ले रहा है। इसलिए अब किसान परिवार कुआं ढूंढने के लिए कलेक्टर कार्यालय तक पहुंच गया और उन्होंने यहां पर जमीन पर दस्तावेज फैला दिए और अपनी समस्या अफसर को सुनाई समस्या सुनने के बाद अफसर भी इस बात को सुनकर दंग रह गए।

जब किसान देवदास राठौर से बात की गई तो उसने बताया कि मेरा कुआं 6 महीने से गायब हो गया है। मैं सरकारी कार्यालय के चक्कर लगा रहा हूं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसलिए मैंने कलेक्टर भव्या मित्तल के पास पहुंचा और कलेक्टर को मैंने समस्या बताई किसान का कहना है कि मेरी 6 एकड़ जमीन है। मेरे बड़े पिताजी ने मेरी जमीन को उनकी जमीन बता कर बेच दी है। जिससे मेरा कुआं भी गायब हो गया है। जिससे मैं खेती नहीं कर पा रहा हूं। मुझे समस्या हो रही है इसलिए अब किसान ने जिला प्रशासन से समस्या का निराकरण हो इसकी गुहार लगाई है। डिप्टी कलेक्टर अजमेर सिंह गौंड ने बताया कि केवल किसान की रजिस्ट्री में त्रुटि हुई है। जिस कारण यह समस्या है। कुआं कोई गायब नहीं हुआ है। हमने कुआं उन्हें दिखा दिया है। नक्शे में समस्या होने की वजह से त्रुटि हुई है। किसान रजिस्ट्री सुधरवाता है,तो निराकरण हो जाएगा।

अजब-गजब | पांच बच्चों की मां ने कमाई के लिए निकाला अजीबो-गरीब तरीका

इस महिला ने 3 महीने में की 3 शादियां, कमा डाले 36 लाख रुपये

एक वक्त था, जब शादी-विवाह जैसा रिश्ता पूरी ज़िंदगी के लिए होता था। फिर दौर बदला और रिश्ते टूटने का भी सिलसिला चल पड़ा। हालांकि आजकल शादी होने के कुछ महीने बाद ही कई बार टूट जाती हैं। आज हम आपको एक ऐसी महिला के बारे में बताएंगे, जो शादी करती ही इसलिए थी क्योंकि उसे तोड़ना होता था।

शादी को यूं तो जन्म-जन्म का रिश्ता माना जाता है, लेकिन कुछ लोग इस रिश्ते का भी मज़ाक बना डालते हैं। पड़ोसी देश चीन में रहन वाली एक महिला ने कुछ ऐसा ही किया और इस पवित्र रिश्ते को पैसे कमाने का धंधा बना डाला। वो पूरी प्लानिंग के साथ शादी करती थी क्योंकि इसके पीछे उसका मकसद कुछ और ही होता था।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के गुइझाऊ प्रोविंस की रहने वाली एक महिला ने सीरियल ब्राइड बनने का अपराध किया है। वो शादी के लिए बेताब हो रहे मर्दों को अपने जाल में फंसाती थी और फिर

उनसे पैसे ऐंठती थी। इस तरह के तीन केसेज़ के ज़रिये महिला ने 3 महीने में 300,000 4uan यानि करीब 36 लाख रुपये वसूल लिए। उसने पिछले साल दिसंबर में शादी की थी और फिर पति पर घरेलू हिंसा का केस डाल दिया। उसने पति को तो छोड़ा लेकर ब्राइड मनी के तौर पर मिले पैसे वापस नहीं किए। इसके तुरंत बाद वो ब्लाइंड डेटिंग एजेंसी के ज़रिये दूसरे लड़के को डेट करने लगी। यहां भी शादी करने के बाद उसने झगड़े शुरू कर दिए और बिना ब्राइड मनी वापस किए भाग गई। इस तरह उसने करीब 36 लाख रुपये तीन महीने में इकट्ठा कर लिए।

जब स्कैम का शिकार हुए शख्स ने इसके बारे में पुलिस को बताया तो पता चला कि महिला के पहले से 5 बच्चे हैं और वो ऐसी शादियां करके काफी पैसे कमा चुकी है। इस तरह की शादियों को चीन में फ्लैश मैरिज कहा जाता है। इसमें लड़की शादी करती है और फिर अपने दूल्हे पर दबाव डालकर या फिर पुलिस केस करके पैसे लेती है। कई बार तो तलाक का दबाव बनाकर महिलाएं सारे पैसे लेकर तलाक ले लेती हैं। इन्हें मिलाने वाली कंपनियां भी अक्सर भाग ही जाती हैं।

दिल्ली की जनता भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार : केजरीवाल

बोले- दिल्ली में गैंगस्टर्स राज, लॉरेंस बिश्नोई को मिला बीजेपी का साथ

» पूर्व सीएम बोले- महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक सहायता देने के लिए पंजीकरण जल्द होगा शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधानसभा सत्र के पहले दिन को कानून-व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा को घेरते हुए आरोप लगाया कि मौजूदा दौर में दिल्ली गैंगस्टर कैपिटल बन गई है। अपराध पर भाजपा की जीरो टॉलरेंस नीति ढकोसला है। दिल्ली की जनता अब भाजपा को सबक सिखाने के लिए तैयार है। केजरीवाल ने गृहमंत्री से सवाल किया कि क्या आप गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की मदद कर रहे हैं। वह साबरमती जेल से दिल्ली और दुनियाभर में गतिविधियां कैसे चला रहा है। दिल्ली में बढ़ते अपराध के लिए भाजपा और गृहमंत्री जिम्मेदार हैं, क्योंकि राजधानी की कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अंतर्गत आती है।

आप सरकार ने अपनी जिम्मेदारियां पूरी कीं। दिल्ली के स्कूल, अस्पताल, बिजली और पानी की व्यवस्था में सुधार किया है। सड़कों और अन्य सुविधाओं पर काम किया है, लेकिन सुरक्षा का जिम्मा केंद्र सरकार पर है, जो पूरी तरह विफल रही है। वर्ष 2019 में अमित शाह के गृहमंत्री बनने के बाद से दिल्ली की कानून-व्यवस्था और खराब हो गई है। हत्या, लूट और अपहरण की घटनाएं लगातार हो रही हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं और लोग

खुलेआम फिरौती की कॉल व गोलियों के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा से दिल्ली को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अपराध रोकें, मुझे रोकने की कोशिश न करें। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में महिलाओं को 1,000 रुपये मासिक मानदेय देने के लिए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के बुराड़ी में आप के पदयात्रा अभियान के दौरान इस योजना के बारे में केजरीवाल ने कहा कि आवेदक महिला राष्ट्रीय राजधानी की पंजीकृत मतदाता होनी चाहिए।

दिल्ली को शूटआउट कैपिटल बना दिया : सिसोदिया

पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दिल्ली को शूटआउट कैपिटल बना दिया है। पहले दूर से सुनते थे, शूटआउट एट लोहखंडवाला, अभी तो रोज अपनी दिल्ली में सुनने को मिल रहा है। शूटआउट एट कबीर नगर, शूटआउट एट पश्चिम विहार, शूटआउट एट नारायणा, सोनिया विहार, होटल हर जगह हर गली में गैंगेस्टरों का खुला आतंक है।

सीएम घर में महिला सांसद भी सुरक्षित नहीं : विजेंद्र गुप्ता

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की आप सरकार के मुख्यमंत्री के घर में अपनी ही पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री के इशारे पर उस असहाय महिला सांसद के साथ मुख्यमंत्री के पीए ने मारपीट की। डरी सहमी सांसद ने जैसे-तैसे मुख्यमंत्री आवास से पीसीआर को फोन कर बुलाया और बाहर निकलने में कामयाब हो पाईं। उन्होंने आप सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अपनी ही महिला सांसद को सुरक्षा न दे सकने वाली संवेदनहीन आम आदमी पार्टी की सरकार किस मुंह से दिल्ली में महिला सुरक्षा की बात कर रही है। वहीं, सदन से बाहर आने के बाद मीडिया से विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चलते हुए सदन में नेता प्रतिपक्ष की आवाज को दबाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सदन में कानून व्यवस्था पर चर्चा हो रही है, लेकिन विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली विस चुनाव में अकेले उतरेगी कांग्रेस : देवेन्द्र यादव

» बोले- चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने आप के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए आगामी चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की।

उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा। यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में फैसला चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक दल द्वारा किया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में,आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आगामी

दिल्ली विधानसभा चुनावों की तुलना महाभारत के समान धर्मयुद्ध से की थी। पूर्व सीएम ने जिला स्तर पर एक संबोधन में कहा, दिल्ली विधानसभा चुनाव एक धर्मयुद्ध की तरह है। उनके पास कौरवों की तरह अपार धन और शक्ति है, लेकिन भगवान और लोग पांडवों की तरह हमारे साथ हैं।

झारखंड विधानसभा का सत्र 9 दिसंबर से

» 11 दिसंबर को विश्वासमत हासिल करेगी हेमंत सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड विधानसभा का सत्र 9 दिसंबर से आरंभ होगा। सत्र 12 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान चार कार्यदिवस होंगे। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की स्वीकृति के बाद सत्र आहूत करने की आधिकारिक अधिसूचना शुक्रवार को जारी की गई। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्रिपरिषद ने सत्र आहूत करने का निर्णय गुरुवार को किया था। सत्र के पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण प्रोटेम स्पीकर प्रो. स्टीफन मरांडी कराएंगे। बाकी सदस्यों को दूसरे दिन शपथ दिलाई जाएगी।

इसके बाद नए विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन होगा। विधानसभा अध्यक्ष का निर्वाचन सर्वसम्मति से होने की प्रबल संभावना है। तीसरे दिन 11 दिसंबर को पहले

राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इसके बाद हेमंत सरकार विश्वासमत हासिल करेगी। इसी दिन सरकार अपना द्वितीय अनुपूरक बजट पेश करेगी। सत्र के अंतिम दिन 12 दिसंबर को पहली पाली में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश होगा। इसपर वाद-विवाद के बाद सरकार का उत्तर और मतदान होगा। भोजनावकाश के बाद द्वितीय अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद होगा। इसके साथ-साथ खनिज पर सेस बढ़ाने संबंधित संशोधित विधेयक सदन में पेश किया जाएगा।

मनिक लाल हेम्ब्रम होंगे झारखंड विस के प्रभारी सचिव

मनिक लाल हेम्ब्रम नए प्रभारी सचिव होंगे। वर्तमान प्रभारी सचिव सैयद जावेद हैदर आगामी 30 नवंबर को सेवानिवृत हो जाएंगे। मनिक लाल हेब्रम एक दिसंबर से अगले आदेश तक विधानसभा के प्रभारी सचिव का काम देखेंगे। मिली जानकारी के अनुसार स्पीकर ने नए प्रभारी सचिव के प्रस्ताव पर स्वीकृति दे दी है। शुक्रवार को मनिक लाल हेम्ब्रम ने विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो से मुलाकात की थी।

सीएम से मिलने वालों का लगा तांता

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण और कार्यभार संभालने के अगले दिन कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में उनसे मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहा। सुबह से ही राज्य के विभिन्न जिलों से सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें बधाई दी। इस क्रम में किसी ने उन्हें पुस्तक भेंट की तो किसी ने पुष्पगुच्छ भी दिये। इस अवसर पर कई सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि भी मुख्यमंत्री से मिले।

टी20 मैच में दिल्ली के 11 खिलाड़ियों ने की गेंदबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पहली ऐसी टीम बन गई जिसने टी20 मैच में 11 खिलाड़ियों से गेंदबाजी कराई। ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम के सभी खिलाड़ियों ने टी20 मैच में गेंदबाजी की। शुक्रवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दिल्ली और मणिपुर के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ग्रूप सी का मुकाबला खेला गया। इस मैच में मणिपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था, ऐसे में दिल्ली के कप्तान ने कुछ अनोखा करने का फैसला लिया।

उनके फैसले का फायदा भी मिला और मणिपुर की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 120 रन ही बना पाई। दिल्ली के कप्तान आयुष बदौनी, जो कि एक विकेटकीपर हैं, उन्होंने मैच में दो

मणिपुर के खिलाफ रचा इतिहास, ऐसा करने वाली बनी पहली टीम

ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्हें एक विकेट हासिल हुआ। हर्ष त्यागी (2/11) और दिग्वेश राठी (2/8) ने दो-दो विकेट लिए, जबकि आयुष सिंह (1/7) और प्रियांश आर्य (1/2) ने एक-एक विकेट लिया। उन्होंने अपनी शानदार गेंदबाजी का नमूना पेश किया। मयंक रावत, हिम्मत सिंह और अनुज रावत को कोई विकेट नहीं मिला और वे महंगे साबित हुए। उनका इकॉनमी रेट 10 से अधिक रहा। मैच में यश ढुल का बल्ला जमकर गरजा। 51 गेंदों का सामना किया और 59 रन बनाए। इस नाबाद पारी के दौरान उन्होंने आठ चौके और एक छक्का लगाया। दिल्ली को जीत दिलाने में सलामी बल्लेबाज का अहम योगदान रहा।

एडिलेड टेस्ट से पहले कंगारूओं को झटका

एडिलेड। एडिलेड में छह दिसंबर से खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट की वजह से इस मुकाबले से बाहर हो गए हैं। दूसरा टेस्ट एक डे-नाइट मैच होगा और हेजलवुड अपनी लाइन लेंथ की वजह से घातक साबित हो सकते थे। हालांकि, अब उनके बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम को काफी नुकसान होगा। हेजलवुड की जगह दो अनकैप्ड पेसर्स को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर शॉन एबॉट और ब्रैंडन डोगेट को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब हेजलवुड अपने करियर की शुरुआत के बाद से घर में भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच मिस करेंगे। वहीं, सिडनी में 2015 में खेले गए भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले के बाद भी यह पहली बार होगा (एडिलेड में), जब ऑस्ट्रेलिया अपने घर में किसी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट में मैदान पर हेजलवुड, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और नाथन लियोन में से किसी एक के बिना उतरेगा।

सपा डेलिगेशन को रोकने से मचा सियासी बवाल

» पार्टी नेताओं के संभल जाने से रोके जाने पर योगी सरकार पर भड़के पूर्व सीएम अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के 15 नेताओं का डेलिगेशन संभल हिंसा के पीड़ित परिवारों से मिलने आज शनिवार (30 नवंबर) को जाने वाला था। इसी बीच डीएम ने फोन कर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को फोन कर संभल आने से रोका है,वहीं डीएम के सपा डेलिगेशन को रोकने पर अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि प्रतिबंध लगाना भाजपा सरकार के शासन, प्रशासन और सरकारी प्रबंधन की नाकामी है, ऐसा प्रतिबंध अगर सरकार उन पर पहले ही लगा देती, जिन्होंने दंगा-फंसाद करवाने का सपना देखा और उन्मादी नारे लगवाए तो संभल में सौहार्द-शांति का वातावरण नहीं बिगड़ता। अखिलेश ने आगे लिखा भाजपा जैसे पूरी की पूरी कैबिनेट एक साथ बदल देते हैं, वैसे ही संभल में ऊपर से लेकर नीचे तक का पूरा प्रशासनिक मंडल निलंबित करके उन पर साजिशन लापरवाही का आरोप लगाते हुए, सच्ची कार्रवाई करके बर्खास्त भी करना चाहिए और किसी की जान लेने का मुकदमा भी चलना चाहिए, भाजपा हार चुकी है

प्रशासन द्वारा संभल जाने से रोके जाने पर प्रदर्शन करते सपाई व अपने घर में हाउस अरेस्ट हुए प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल।

समाजवादी नेता लोगों को नहीं भड़काते : माता प्रसाद

समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने कहा कि हम लोगों को नहीं भड़काते हैं, भड़काने वाली भाषा तो केशव प्रसाद मौर्य की होती है। उन्होंने कहा कि जब प्रेस कॉन्फ्रेंस की जा सकती है तो हम क्यों नहीं जा सकते हैं? आप अधिकारियो से पूछिए की हमें क्यों नहीं जाने दिया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम लोग चुपके से तो जा नहीं रहे थे, हमने से पहले ही अपना कार्यक्रम बताया था, लेकिन, अब डीएम का फोन आया है कि संभल न आएं हमने दस दिसंबर तक का समय बढ़ा दिया है, हमें कहीं भी जाने की स्वतंत्रता है, ये हमारा मौलिक अधिकार है. जिनके घर के बच्चे मरे हैं हम उनके परिवार से जाकर मिलना चाहते हैं, लेकिन, ये भ्रम पैदा कर रहे हैं, ये सरकार संविधान पर भरोसा नहीं करती. हमें पालन नहीं करने देती।

प्रतिबंध लगाना सरकार की नाकामी : अखिलेश यादव

प्रतिबंध लगाना भाजपा सरकार के शासन, प्रशासन और सरकारी प्रबंधन की नाकामी है। ऐसा प्रतिबंध अगर सरकार उन पर पहले ही लगा देती, जिन्होंने दंगा-फ़साद करवाने का सपना देखा और उन्मादी नारे लगवाए तो संभल में सौहार्द-शांति का वातावरण नहीं बिगड़ता।

नियमों के मुताबिक प्रशासन को नोटिस देना चाहिए

माता प्रसाद पांडे ने कहा कि ये हमें इसलिए नहीं जाने देना चाहते ताकि हमें सच्चाई का पता न लग जाए क्योंकि ये भ्रम पैदा करना चाहते हैं। नियमों के मुताबिक प्रशासन को मुझे नोटिस देना चाहिए था कि मैं वहां नहीं जा सकता लेकिन, कोई लिखित सूचना नहीं दी गई और पुलिस तैनात कर दी गई। जहां मीडिया वाले वहां जा रहे हैं, हमारे वहां जाने से क्या अशांति होगी। ये सरकार अपने सारे काम छुपाने के लिए जानबूझकर हमें रोक रही है।

1 से 10 दिसंबर तक बाहरी व्यक्तियों के आने पर रोक

संभल जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने बाहरी व्यक्तियों के आने को लेकर निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत 1 दिसंबर से 10 दिसंबर तक बाहरी व्यक्ति सक्षम अधिकारी की अनुमति बिना प्रवेश नहीं करेगा. निर्देशों के तहत कोई भी व्यक्ति अन्य समाज संगठन और जनप्रतिनिधि संभल में अनुमति के बिना प्रवेश नहीं करेगा।

प्रचंड जीत हासिल करने के बाद पहली बार वायनाड पहुंचीं प्रियंका

» राहुल गांधी भी साथ, कई कार्यक्रमों में लेंगी हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सांसद के तौर पर शपथ लेने के बाद पहली बार शनिवार को केरल पहुंची है, जहां वो अपने निर्वाचन क्षेत्र वायनाड का दौरा करने वाली है।

सांसद के तौर पर प्रियंका गांधी की ये पहली वायनाड यात्रा है जो बेहद महत्वपूर्ण होने वाली है। इस पहली यात्रा के दौरान प्रियंका गांधी के साथ उनके भाई और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी है। इससे पहले दिन में गांधी परिवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित अपने आवास से बाहर निकलते हुए फोटो सामने आए थे। प्रियंका गांधी कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी।

फोटो: 4पीएम

आक्रोश गन्ना भुगतान न होने से नाराज किसानों ने शनिवार को लखनऊ के गोमती नगर के विभूति खंड स्थित बजाज शुगर लिमिटेड कंपनी के ऑफिस बजाज भवन के सामने लगाया जमावड़ा।

कांग्रेस व भाजपा से लोग नाराज : मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- जातिवादी व साम्प्रदायिक तत्वों के खिलाफ आगे आएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीएसपी प्रमुख मायावती ने दलित व अन्य अम्बेडकरवादी बहुजनों को एकजुट होकर सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्ति के लिए संघर्ष को और मजबूत और तीव्र करने का आह्वान किया। बसपा प्रमुख व यूपी की पूर्व सीएम आज यहाँ उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड राज्य के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा जिला अध्यक्षों सहित पार्टी के अन्य सभी ज़िम्मेदार लोगों के साथ बैठक कर रही थीं।

» बसपा प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक

उन्होंने लोगों से अपील की वह देश व समाज को संकीर्ण जातिवादी एवं साम्प्रदायिक तत्वों की जकड़ से निकालने के लिए आगे आएं। पूर्व में कांग्रेस की तरह ही वर्तमान में भाजपा की भी गरीब विरोधी व धन्नासेठ समर्थक नीतियों एवं कार्यकलापों के विरुद्ध लोगों में वही आक्रोश व्याप्त है, जिस पर से लोगों का ध्यान बांटने के लिए यह पार्टी भी किस्म किस्म के नये जातिवादी एवं साम्प्रदायिक हथकण्डों का इस्तेमाल करती रहती है और चुनाव में इसका लाभ भी ले लेती है। उन्होंने कहा विशेषकर चुनावों के समय में जनहित व जनकल्याण के किए गए लुभावने वादों को सरकार बन जाने पर उनको ईमानदारी से निभाने के बजाय उन्हें पूरी तरह से भुला देने आदि की तरह इसी प्रकार की अन्य नकारात्मक एवं घिनौनी राजनीति से आम जनहित व देश का कुछ भी भला नहीं होता है बल्कि जन समस्यायें यथावत बरकरार रहती हैं।

यूपी सरकार संवैधानिक दायित्वों से पीछे हटी

बसपा प्रमुख ने कहा यूपी सरकार द्वारा भी संवैधानिक दायित्वों को निभाने के वैधानिक कार्यों से अधिक धर्म को आड़ बनाकर अपनी राजनीति साधने में देश में कोई पीछे नजर नही आती है। यही कारण है कि आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य यूपी व पड़ोसी राज्य उत्तराखण्ड में भी महंगाई की जबरदस्त मार झेल रहे सर्वसमाज के करोड़ों लोग गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा व पिछड़ेपन आदि का अंधकार जीवन जीने को लगातार मजबूर हैं, यह अति-दुखद।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का चेहरा आउट ऑफ रीच!

» शिंदे के अचानक गांव जाने से भाजपा घबराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सियासी गलियारे में ऐसी चर्चा हो रही है कि एकनाथ शिंदे से संपर्क नहीं हो पा रहा है। लोगों के बयान तो यहां तक आने लगे हैं कि शिवसेना क्या बीजेपी को सत्ता से दूर कर देगी या यूं कहें कि फडणवीस सीएम की कुर्सी से आउट ऑफ रीच हो जांऐग।

हालांकि इस बीच ऐसी भी खबरें आ रही है महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को हो जाएगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारी सफलता के बाद उम्मीद थी कि महायुति बिना किसी परेशानी के सरकार बनाएगी। हालांकि महाराष्ट्र में शुरू हुए सियासी ड्रामे के कारण महागठबंधन के शपथ ग्रहण समारोह में देरी हो रही है। दरअसल ये सारे कयास एकनाथ शिंदे की नाराजगी और चुप्पी को देखते हुए लग रहे हैं। इस बीच, प्रदेश में चल सियासी हलचल ने महागठबंधन खासकर बीजेपी में बेचैनी बढ़ा दी है, ऐसे में इन सभी घटनाक्रमों के बीच में संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं, एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार शाम वर्षा बंगले में चुनिंदा नेताओं के साथ बैठक की। इसके बाद वे सतारा जिले के दरे गांव के लिए रवाना हो गये, इस संबंध में शिंदे गुट के विधायक संजय शिरसाट ने सांकेतिक बयान दिया।

गांव जाने पर ही लेते हैं शिंदे बड़ा फैसला

एकनाथ शिंदे के सामने जब भी कोई राजनीतिक दुविधा आती है, जब उन्हें लगता है कि उन्हें सोचने के लिए समय चाहिए तो वे अपने गांव चले जाते हैं, गांव में उन्हें मोबाइल फोन की जरूरत नहीं है, वहां वे आराम से फैसले लेते हैं, जब भी कोई बड़ा फैसला लेना होता है तो वो अपने गांव जरूर जाते हैं, अब जब वे घर वापस आ गए हैं तो शायद कल शाम तक कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं, राज्य में जो राजनीतिक उठापटक चल रही है, उस पर वह फैसला लेंगे।

महाविकास अघाड़ी अपने प्रदर्शन पर आत्मनिरीक्षण करे : शिरसाट

शिवसेना नेता शिरसाट ने यह कहा कि भाजपा ने बताया है कि वह अगले दो दिनों में अपने विधायक दल के नेता पर फैसला करेगी और औपचारिकताओं के बाद नई सरकार का गठन किया जाएगा। महा विकास अघाड़ी पर निशाना साधते हुए, शिरसाट ने कहा कि विपक्ष को सरकार गठन पर महायुति पार्टियों पर सवाल उठाने के बजाय चुनावों में अपने प्रदर्शन पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भी हो सकती है बैठक

एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के बीच बैठक के बारे में पूछे जाने पर, उदय सामंत ने जवाब दिया, अगर बैठक में कोई जा नहीं सकता तो यह वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भी हो सकती है। वह (शिंदे) परेशान नहीं हैं। दिल्ली में भी वह बुखार और सर्दी से पीड़ित थे। यह कहना गलत होगा कि वह परेशान हैं। किसी को भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर वह किसी अच्छी जगह (स्वास्थ्य कारणों से) गए हैं, तो यह निष्कर्ष निकालने का कोई मतलब नहीं है कि वह परेशान है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।